भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

22.03.2023 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3556 का उत्तर

वंदे भारत ट्रेनों का आर्थिक प्रभाव

3556. श्री चंद्र शेखर साहू:
श्री राहुल रमेश शेवालेः
डॉ. प्रीतम गोपीनाथ राव मुंडे:
श्री गिरीश भालचन्द्र बापट:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या रेलवे ने देश में अब तक चलाई गई वंदे भारत ट्रेनों के आर्थिक प्रभाव का पता लगाने के लिए कोई आकलन किया है;

(ख) यदि हां , तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) अब तक इससे प्राप्त राजस्व और इसके द्वारा लागत बचत के संबंध में आंकड़े क्या हैं ;

(घ) क्या सरकार की इन ट्रेनों के प्रचालन अनुपात को स्थिर करने की योजना है जो अभी लगभग 98.22 प्रतिशत है;

(ड.) यदि हां , तो इसके लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है; और

(च) देश में , विशेषकर ओडिशा में पूर्वी तट क्षेत्र के अंतर्गत शुरू की जाने वाली नई वंदे भारत ट्रेनों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख): जी नहीं।

(ग): वंदे भारत गाड़ियों में यात्री किराए से होने वाली आमदनी निम्नानुसार हैः

वित्त वर्ष	कुल आमदनी (रु. करोड़ में)
2019-20	172.90
2020-21	64.14
2021-22	150.35
2022-23 (फरवरी, 2023 तक)	419.66

गाड़ी-वार लागत बचत के आंकड़े नहीं रखे जाते हैं।

(घ) और (ङ): परिचालनिक अनुपात गाड़ी-वार नहीं रखा जाता है।

(च): भारतीय रेल में वंदे भारत सेवाएं शुरू करना सतत् प्रक्रिया है जो परिचालनिक व्यावहार्यता, यातायात औचित्य, चल स्टॉक की उपलब्धता आदि के अध्यधीन है। गाड़ी सेवाएं राज्य-वार आधार पर शुरू नहीं की जाती हैं क्योंकि रेल नेटवर्क राज्य सीमाओं के आर-पार फैला हुआ होता है।

*****